276 • सितम्बर 2009

इस अंक में

2 बूँद से बादल, बादल से किला...

8 चींटियों को कैसे खबर कि...

14 अजरकपुर से एक मुलाकात

16 हिन्दी फिल्मों के डायलॉग

19 मोलभाव का रहस्य

22 नानज में दो दिन

24 उल्टे पाँव के जूते

28 चिड़िया बनाने वाले स्वामीनाथन

32 वो पत्ती...

37 एक था जादूगर

बाल विज्ञान पत्रिका

चकमक

31

... बस इतनी-सी मशक्कत से तैयार हो जाता है वह यंत्र जिससे वे गहरे पानी से पैसा निकाल सकते हैं।

18

अमिया को अब समझ आ रहा था कि चींटा इतने बेतुके सवाल क्यों पूछ रहा है?

27

अगर कोई तुमसे पूछे कि किसी तालाब में कितने मेंढक हैं तो?

आवरण :
दिलीप चिंचालकर

सम्पादन
सुशील शुक्ल
शशि सबलोक

सहायक सम्पादक
कविता तिवारी

सम्पादकीय सलाहकार
रेक्स डी रोज़ारियो
तेजी ग्रोवर

विज्ञान सलाहकार
सुशील जोशी

डिज़ाइन
दिलीप चिंचालकर

सहयोग
मिहिर
कमलेश यादव
कनक
कार्तिक शर्मा

एस.आई.जी/आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के वित्तीय सहयोग से प्रकाशित।

सदस्यता शुल्क

एक प्रतिः	20.00
वार्षिकः	200.00 (व्यक्तिगत)
	300.00 (संस्थागत)
तीन सालः	500.00 (व्यक्तिगत)
	700.00 (संस्थागत)
आजीवनः	3000.00 (व्यक्तिगत)
	4000.00 (संस्थागत)

सभी डाक खर्च हम देंगे। चन्दा (एकलव्य के नाम से बने) मनीऑर्डर/चैक से भेज सकते हैं। भोपाल के बाहर के चैक में 80.00 रुपए अतिरिक्त जोड़ें।

एकलव्य
ई-10, शंकर नगर, बीडीए कॉलोनी, शिवाजी नगर
भोपाल, म.प्र. 462 016
फोनः (0755) 2671017, 2550976, 6549033
फैक्सः (0755) 2551108
chakmak@eklavya.in
circulation@eklavya.in
www.eklavya.in